सांध्य दैनिक
4PM
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 8 ● अंक: 260 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, मंगलवार, 1 नवम्बर, 2022

सुझाव देना और बाद में हमने जो कहा उसके नतीजे से बचने की कोशिश करना बेहद आसान है।
–जवाहरलाल नेहरू

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

भाजपा राज में हो रहा... 7 | यूपी: अब संघर्ष की राह से सियासी... 3 | हिमाचल में चुनाव प्रचार करेंगे... 2

अब सुप्रीम कोर्ट पहुंचा मोरबी पुल हादसा, सुनवाई की तारीख तय

14 नवंबर को जनहित याचिका पर होगी सुनवाई

» गुजरात में हुए हादसे में अब तक 135 लोगों की हो चुकी है मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। गुजरात के मोरबी में केबल तारों से बने पुल हादसे का मामला अब सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। शीर्ष अदालत दायर जनहित याचिका पर सुनवाई को राजी हो गयी है। कोर्ट ने मामले की पहली सुनवाई 14 नवंबर को तय की है। वहीं, हादसे में मरने वालों की संख्या 135 पहुंच गई है।

समाचार एजेंसी एएनआई के मुताबिक, एक वकील द्वारा सुप्रीम कोर्ट में जनहित याचिका दायर की गई है, जिसमें अधिवक्ता ने राज्य सरकारों को पर्यावरणीय व्यवहार्यता और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पुराने और जोखिम भरे स्मारकों और पुलों के सर्वेक्षण और जोखिम मूल्यांकन के लिए समिति बनाने के निर्देश देने की भी मांग की है। याचिका में राज्यों में स्थायी आपदा जांच दल को इस तरह की त्रासदियों में तुरंत शामिल होने के निर्देश देने की मांग की गई है। सुप्रीम कोर्ट ने याचिका को स्वीकार करते हुए सुनवाई की तारीख आगामी 14 नवंबर तय की है। याचिका में दुर्घटना की जांच रिटायर जज के नेतृत्व में कराए जाने की मांग की गई है। गौरतलब है कि ब्रिटिश काल में मोरबी के मच्छू नदी पर बना एक सस्पेंशन ब्रिज रविवार को दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस हादसे में मरने वालों की संख्या 135 पहुंच गई है जबकि कई लोग घायल हैं और उनका मोरबी अस्पताल में इलाज चल रहा है। शाम करीब साढ़े छह बजे जब यह पुल दुर्घटनाग्रस्त हुआ तो लोगों से खचाखच भरा था। व्यापक मरम्मत और नवीनीकरण के बाद पांच दिन पहले सदी पुराने पुल को फिर से खोल दिया गया था।

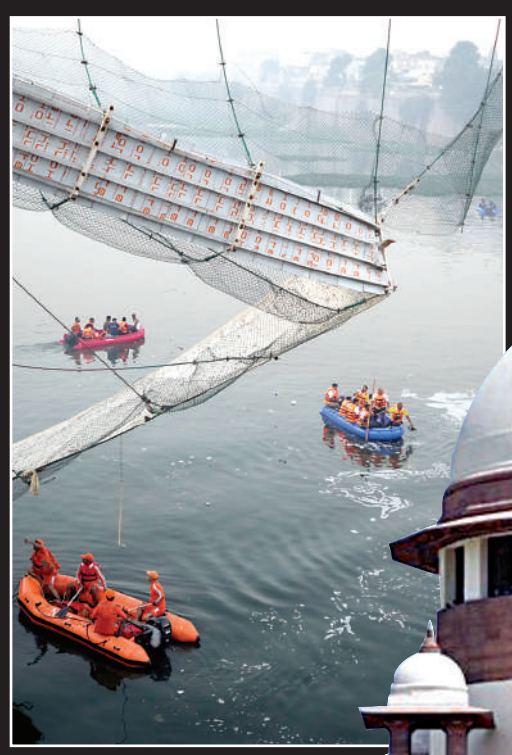

रिटायर जज के नेतृत्व में जांच कराने की मांग

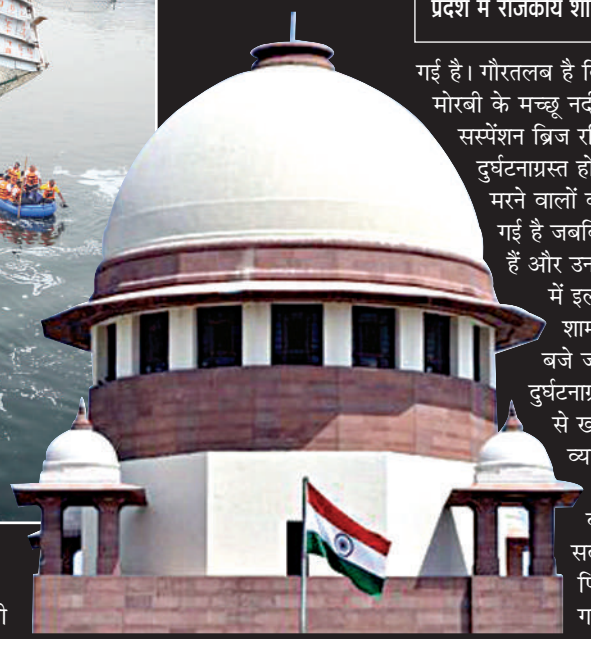

राजकीय शोक की घोषणा

मोरबी हादसे की वजह से गुजरात समेत पूरे देश में शोक की लहर है। गुजरात के सीएम भूपेंद्र पटेल ने कहा कि सरकारी भवनों पर राष्ट्रीय ध्वज आधा झुका रहेगा और कोई समारोह नहीं आयोजित किया जाएगा। पीएम द्वारा की गई बैठक में निर्णय लिया गया है कि दो नवंबर को प्रदेश में राजकीय शोक रखा जाएगा।

नौ किए गए गिरफ्तार

पुलिस ने सोमवार को ओरेवा समूह के चार लोगों सहित नौ लोगों को गिरफ्तार किया। इनमें दो प्रबंधक और पुल का प्रबंधन करने वाले ओरेवा समूह के दो टिकट बुकिंग क्लर्क शामिल हैं। साथ ही रखरखाव और संचालन के लिए काम करने वाली फर्मों के खिलाफ भी मामला दर्ज किया गया है।

अटल ब्रिज पर जाने वालों की सीमा तय

मोरबी हादसे के बाद अहमदाबाद नगर निकाय एक्शन में आ गया है। इसके बाद साबरमती नदी पर बने अटल ब्रिज पर जाने वालों की संख्या तय कर दी गई है। अब इस पुल पर एक बार में तीन हजार लोग ही जा सकेंगे। इस ब्रिज का उद्घाटन 27 अगस्त को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया था।

इंडिया वाटर वीक का राष्ट्रपति मुर्मू ने किया शुभारंभ, सीएम बोले

पिछली सरकारों ने नदियों का नहीं किया संरक्षण

» भाजपा सरकार ने 60 नदियों को किया पुनर्जीवित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नोएडा। इंडिया एक्सपो मार्ट में आयोजित इंडिया वाटर वीक का राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने आज शुभारंभ किया। इंडिया वाटर वीक के 7वें संस्करण में दुनियाभर से दो हजार से अधिक लोग जल संरक्षण, नदियों में कम होता पानी आदि विषयों पर अपने शोधपत्र प्रस्तुत करेंगे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जल है तो जीवन है लेकिन पिछली सरकारों ने नदियों का संरक्षण नहीं किया। पहले गंगा में सीवर का गंदा पानी बहाया जाता था। भाजपा सरकार साठ नदियों को पुनर्जीवित कर चुकी है। नमामि गंगे योजना का लाभ दिखायी दे रहा है।

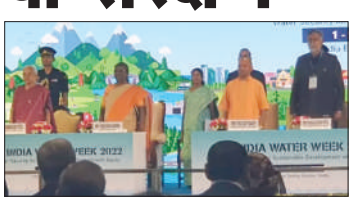

वायर के संपादकों को डराने की कोशिश, पुलिस पहुंची घर पर

» मोबाइल-लैपटॉप जब्त वरदराजन बोले, यह मीडिया के लिए चेतावनी

» भाजपा आईटी सेल के प्रमुख की शिकायत पर कार्रवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस सोमवार को द वायर के संपादकों सिद्धार्थ वरदराजन और एमके वेणु के आवासों पर पहुंची। भाजपा के आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय की शिकायत पर दिल्ली पुलिस ने द वायर, उसके संस्थापकों और संपादकों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया था।

दिल्ली स्थित सिद्धार्थ वरदराजन के घर पर पुलिस की टीम सोमवार शाम करीब 4:10 बजे पहुंची और करीब तीन घंटे बाद 7 बजे वहां से वापस गई। पुलिस ने सिद्धार्थ के दो मोबाइल फोन, एक लैपटॉप और एक आईपैड को जब्त कर लिया, साथ ही उनकी निजी और कंपनी ईमेल आईडी का पासवर्ड भी पुलिस ने ले लिया।

वरदराजन ने बताया, पत्रकारिता में एक प्रकाशन संस्था से कोई गलती हुई जिसे उसने स्वीकारा है, वापस लिया है और उसके लिए माफी भी मांगी है। उसे अपराध में बदलने की कोशिश पूरे भारतीय मीडिया के लिए एक चेतावनी है। वहीं दिल्ली पुलिस की एक टीम वायर के दूसरे संपादक एमके वेणु के घर से भी दो इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के जब्त किया है।

हिमाचल में चुनाव प्रचार करेंगे सीएम योगी, विपक्षियों पर साधेंगे निशाना

» रोड शो कराए जाने की भी तैयारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। हिमाचल प्रदेश में विधानसभा चुनाव में बाजी मारने के लिए भाजपा फायर ब्रांड नेता मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का पूरा उपयोग करेगी। योगी आदित्यनाथ हिमाचल में कई जनभसभाओं को संबोधित करेंगे। वहां उनका रोड शो कराए जाने की भी तैयारी है। यूपी में बदली कानून-व्यवस्था को लेकर अन्य राज्यों में योगी माडल इन दिनों चर्चा का केंद्र है। माफिया की संपत्तियों पर चल रहा बुलडोजर भी सीएम योगी की पहचान बन चुका है।

ऐसे में सीएम योगी हिमाचल के चुनावी रण में भाजपा के पक्ष में माहौल बनाने के लिए बेहद उपयोगी साबित हो सकते हैं। विशेषकर युवाओं में योगी नया जोश भर सकते हैं। सीएम योगी आदित्यनाथ की लोकप्रियता को देखते हुए भाजपा हर प्रदेश में होने वाले चुनाव में उन्हें स्टार प्रचारक के रूप में भेजती रही है। योगी यूपी के अलावा अन्य राज्यों में भी भाजपा की जीत सुनिश्चित कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा चुके हैं। ऐसे में भाजपा हिमाचल प्रदेश में भी योगी की अधिक से अधिक सभाएं कराने का प्रयास करेगी। हिमाचल प्रदेश में

सीएम योगी आदित्यनाथ के चुनावी सभाओं को संबोधित करने से पूर्व उनकी सुरक्षा के विशेष प्रबंध होंगे। इसके लिए डीआइजी स्तर के तीन अधिकारी हिमाचल प्रदेश पहुंच गए हैं। तीनों आईपीएस अधिकारियों को हिमाचल प्रदेश के पुलिस व प्रशासन के अधिकारियों से समन्वय बनाकर कड़े सुरक्षा प्रबंध सुनिश्चित कराना है। तीन डीआईजी सर्वश्रेष्ठ त्रिपाठी, सुभाष चंद्र दुबे व एन.कोलांची हिमांचल प्रदेश पहुंच गए हैं। तीनों अधिकारी योगी की दो नवंबर व चार नवंबर को प्रस्तावित चुनावी रैलियों की सुरक्षा-व्यवस्था का जायजा लेंगे। बताया गया कि योगी अगले चरण में आठ व 10 नवंबर को भी चुनाव प्रचार के लिए हिमांचल प्रदेश जाएंगे।

दो व चार नवंबर को होंगी चुनावी सभाएं

सूत्रों का कहना है कि सीएम योगी आदित्यनाथ की दो व चार नवंबर को हिमाचल में चुनावी सभाएं प्रस्तावित हैं। योगी वहां सोलन जिले के परवाणु में जनसभाएं प्रस्तावित हैं। दूसरे चरण में योगी की ठियोग तथा शिमला में चुनावी सभाएं प्रस्तावित हैं। योगी का रोड शो भी प्रस्तावित है। हालांकि योगी आदित्यनाथ के चुनाव प्रचार कार्यक्रम की औपचारिक घोषणा अभी नहीं की गई है।

राज्य मंत्री दयाशंकर का फेसबुक अकाउंट हैक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार में आयुष राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार डॉ दयाशंकर मिश्रा दयालु ने कहा कि उनका आधिकारिक फेसबुक अकाउंट हैक कर लिया गया है। गाजीपुर जिले के सिधौना गांव निवासी डॉ दयाशंकर मिश्रा उर्फ दयालु को योगी सरकार में मंत्री हैं। उत्तर प्रदेश के आयुष राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) एवं खाद्य सुरक्षा व औषधि प्रशासन (राज्यमंत्री) डॉ. दयाशंकर मिश्र दयालु ने बताया कि उनका अधिकारिक फेसबुक एकाउंट हैक कर लिया गया है। उन्होंने बताया कि इस संबंध में आवश्यक कार्यवाही की जा रही है।

डॉ. दयालु ने अपने फेसबुक फॉलोअरों से कहा है कि मेरे फेसबुक पेज पर पोस्ट की गई किसी भी मैसेज को लाइक, कमेंट एवं शेयर न करें। आयुष मंत्री दयाशंकर मिश्र दयालु ने फेसबुक अकाउंट हैक होने की शिकायत हजरतगंज कोतवाली में दर्ज कराई है। साइबर क्राइम सेल मामले की पड़ताल कर रही है। मंत्री का कहना आवश्यक कार्रवाई के लिए पुलिस से शिकायत की गई है। जल्द ही फेसबुक पेज को फिर से नियंत्रण में ले लिया जाएगा। साइबर क्राइम सेल की टीम ने फेसबुक को ईमेल भेजकर मामले की जानकारी दी है। यह पता लगाया जा रहा है कि हैकिंग के पीछे कौन लोग शामिल हैं। साइबर अपराधी फेसबुक अकाउंट हैक कर फ्रेंड लिस्ट में शामिल लोगों को मैसेज भेजकर रुपयों की मांग करते हैं। साइबर क्राइम सेल लखनऊ में हर रोज ऐसे मामले सामने आ रहे हैं। हालांकि हैकर्स को पुलिस गिरफ्तार नहीं कर पा रही है।

18 सरकारी नर्सिंग कॉलेजों में संविदा पर रखे जाएंगे 335 शिक्षक

» डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने जारी किए निर्देश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के नर्सिंग कॉलेजों में नौकरी की चाह रखने वालों के लिए खुशखबरी है। प्रदेश में राजकीय नर्सिंग कॉलेजों में शिक्षकों की कमी पूरा करने के लिए संविदा पर शिक्षक रखे जाएंगे। कुल 18 राजकीय नर्सिंग कॉलेजों में 335 शिक्षकों की भर्ती होगी। पहले चरण में 11 नर्सिंग कॉलेजों में शिक्षकों के 255 पदों पर भर्ती की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। बाकी सात कॉलेजों में शिक्षकों के खाली 80 पदों को भरने के लिए जल्द विज्ञापन जारी किया जाएगा।

उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने जल्द ही भर्ती प्रक्रिया पूरी करने के निर्देश दिए हैं। प्रदेश के नर्सिंग कालेजों में गुणवत्तापरक शिक्षा देने के लिए सभी जरूरी उपाय किए जा रहे हैं। संसाधनों की कमी को पूरा करने के साथ-साथ शिक्षकों की कमी पर प्लेसमेंट पर भी पूरा जोर दिया जा रहा है। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक के निर्देश पर जिन 11 जिलों के राजकीय नर्सिंग कॉलेजों में 255 शिक्षकों के पदों पर भर्ती की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है, उसमें अंबेडकर नगर, जालौन, आजमगढ़, सहारनपुर, बांदा, बदायूं, शाहजहांपुर, अयोध्या, बस्ती, बहराइच व फिरोजाबाद शामिल हैं। वहीं जिन जिलों के राजकीय नर्सिंग कालेजों में शिक्षकों के खाली 80 पदों पर जल्द भर्ती प्रक्रिया शुरू की जाएगी उनमें कानपुर, आगरा, मेरठ, झांसी, गोरखपुर, प्रयागराज व कन्नौज शामिल हैं।

चुनाव आयोग का जवाब देने के लिए साक्ष्य जुटा रही सपा

» सभी जिलों से वोटरों की विस्तृत जानकारी भेजने के निर्देश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी भारत निर्वाचन आयोग से मिली नोटिस का जवाब देने के लिए अब प्रदेश के हर जिले से साक्ष्य जुटाने में लग गई है। प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल ने सभी जिलों से उनके यहां मतदाता सूची में काटे गए नामों की विस्तृत जानकारी शपथ पत्र के साथ तीन नवंबर तक भेजने के निर्देश दिए हैं। दरअसल, समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने यूपी की हर विधानसभा सीट से करीब 20 हजार यादव व मुस्लिम मतदाताओं के नाम काटने के आरोप लगाए थे।

इसी आरोप पर चुनाव आयोग ने पिछले दिनों अखिलेश यादव को नोटिस भेजकर जवाब मांगा था। चुनाव आयोग की इसी नोटिस का जवाब देने के लिए अब सपा ने सभी विधायकों, विधायक प्रत्याशियों, निवर्तमान जिला व शहर अध्यक्षों को पत्र भेजकर अपने-अपने यहां की विधानसभा क्षेत्रों में मतदाता सूची में गलत ढंग से काटे गए नामों की सूची मांगी है। जिनका नाम काटा गया है उनका शपथ पत्र भी मांगा गया है। प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल की ओर से जिलों को भेजे गए पत्र में कहा गया है कि 15 जनवरी 2021 को मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन हुआ था। 16 जनवरी से 31 अक्टूबर 2021 तक निरंतर नाम काटने व जोड़ने का काम हुआ है। इसके बाद एक नवंबर 2021 को मतदाता सूची का ड्राफ्ट रोल प्रकाशित हुआ था। इसके बाद आयोग ने एक नवंबर से पांच दिसंबर 2021 तक विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान चलाया।

तीन नवंबर तक हर हाल में भेजने हैं साक्ष्य

पांच जनवरी 2022 को अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन के बाद आठ जनवरी को चुनाव की घोषणा हुई थी। पांच जनवरी 2022 से आठ जनवरी 2022 तक अनुपूरक सूची-2 में जिनके नाम काट दिए गए उनकी जानकारी जरूर दी जाए। सभी साक्ष्य तीन नवंबर तक तक हर हाल में भेजने के लिए कहा गया है। इसके बाद अखिलेश यादव चुनाव आयोग को काटे गए नामों के साक्ष्य नोटिस के जवाब में भेजेंगे।

सरकार वाटर पार्क से नहीं वसूल सकती मनोरंजन कर : हाईकोर्ट

लखनऊ। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने कहा कि राज्य सरकार वाटर पार्क में इस्तेमाल की जाने वाले कास्ट्यूम के लिए मनोरंजन कर नहीं वसूल सकती है। हाई कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि यूपी इंटरटेनमेंट एंड बेटिंग टैक्स एक्ट के तहत कास्ट्यूम को एक इंस्ट्रूमेंट के तौर पर परिभाषित नहीं किया गया है लिहाजा इस पर मनोरंजन कर नहीं वसूला जा सकता। यह निर्णय जस्टिस पंकज भाटिया की पीठ ने आनंदी वाटर पार्क रिजार्ट एंड क्लब की ओर से इसके निदेशक द्वारा दाखिल एक रिट याचिका पर पारित किया। अपने आदेश में हाई कोर्ट ने कहा कि कास्ट्यूम के लिए वाटर पार्क से कर वसूली करना व उस पर जुर्माना लगाना अविधिक है।

याची की ओर से तीन लाख 17 हजार 378 रुपये के कर और कर न जमा करने पर लगाए गए बीस हजार रुपये जुर्माने के आदेश को चुनौती दी गई थी। दलील दी गई कि उक्त कर अधिरोपित किए जाने के आदेश में कहा गया है कि याची के वाटर पार्क का वर्ष 2010 में सर्वे किया गया था जिसमें पाया गया कि वाटर पार्क में पुरुषों के कास्ट्यूम के लिए 30 रुपये और महिलाओं के लिए 60 रुपये वसूला जाता है।

यूपी : अब संघर्ष की राह से सियासी संजीवनी पाने की तैयारी में कांग्रेस

» विभिन्न मुद्दों पर सरकार को घेरने की बनायी गयी रणनीति

» प्रदेश व्यापी आंदोलन की तैयारी, भवनात्मक मुद्दों पर फोकस

» संघर्ष के परिणामों पर निर्भर करेगा पदाधिकारियों का भविष्य

गीताश्री

लखनऊ। प्रदेश में सियासी वनवास काट रही कांग्रेस अब संघर्ष की राह से जनाधार मजबूत करने की तैयारी में जुट गयी है। वह विभिन्न मुद्दों को लेकर प्रदेश की भाजपा सरकार को घेरने की रणनीति पर काम कर रही है। इसके तहत प्रदेश व्यापी आंदोलन किया जाएगा। पार्टी नेतृत्व का फोकस भावनात्मक मुद्दों पर भी रहेगा। इसके जरिए वह निकाय चुनाव और लोक सभा चुनाव के पहले प्रदेश में सियासी जमीन मजबूत करना चाह रही है।

प्रदेश में कांग्रेस शीघ्र ही संघर्ष के नए रूप में दिखेगी। इसके लिए कई मुद्दों पर संघर्ष करने की रणनीति बनाई गई है। इसके तहत अब तक जो दबे मुद्दे हैं उनको उछालकर पार्टी प्रदेशव्यापी आंदोलन खड़ा करेगी ताकि जनाधार बढ़ सके। पार्टी हाईकमान ने हाल ही में प्रदेश की कमान नए हाथों में सौंपी है। बृजलाल खाबरी को जहां अध्यक्ष बनाया गया है, वहीं जोनवार काम करने के लिए छह प्रांतीय अध्यक्ष भी बनाए गए हैं। इसमें कहा गया है कि प्रत्येक पदाधिकारी का मूल्यांकन उसके कामकाज से होगा। यह देखा जाएगा कि निकाय या लोक सभा चुनाव में उसके प्रभार वाले जिलों में नतीजे कैसे रहे। पदाधिकारी का भविष्य इसी संघर्ष और उसके परिणामों पर निर्भर करेगा। मानदंडों पर खरा उतरने के लिए प्रदेश नेतृत्व ने आंदोलन करने का फैसला किया है। तय हुआ है कि कई आपराधिक मामले ऐसे हैं, जिनमें भरसक कोशिशों के बावजूद पीड़ित पक्ष को न्याय नहीं मिला है। हर जिले में इस तरह के उन मामलों को चिह्नित किया जाएगा जिनमें पीड़ित पक्ष की एफआईआर ही नहीं लिखी गई है या एफआईआर कराने के बावजूद समुचित कार्रवाई नहीं हुई। ऐसे मुद्दों को प्रदेशस्तर पर प्रमुखता से उठाया जाए। इन पर जिलास्तर से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक संघर्ष की योजना बनाई जाए ताकि सत्ताधारी दल के खिलाफ जनता के बीच माहौल बनाया जा सके। कोशिश रहेगी कि भावनात्मक मुद्दों को ज्यादा तरजीह दी जाए, जिसमें आम लोग दबंगों, प्रभावशाली नेताओं या पुलिस से त्रस्त हों, पर उन्हें न्याय न मिल पा रहा हो। रणनीति है कि आम लोगों के बीच यह संदेश जाए कि कांग्रेस उनकी आवाज बनकर उभर रही है। प्रदेश अध्यक्ष बृजलाल खाबरी कहते हैं कि भाजपा राज में आम जनता त्रस्त है। उसे इंसाफ नहीं मिल पा रहा है। इसके खिलाफ कांग्रेस पूरे प्रदेश में संघर्ष करेगी। इसके लिए जनता भी पूरी तरह से कांग्रेस के साथ आने का मन बना चुकी है।

लोक सभा चुनाव पर नजर

आगामी लोक सभा चुनाव को देखते हुए कांग्रेस कई तैयारियां कर रही है। एक ओर कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी भारत जोड़ो यात्रा निकाल रहे हैं वहीं विभिन्न प्रदेशों में प्रदेश नेतृत्व को सक्रिय कर दिया गया है। इसके जरिए कांग्रेस पूरे देश में माहौल बनाने की कोशिश करेगी।

निकाय चुनाव में होगी परीक्षा

यूपी में बदतर प्रदर्शन का रेकार्ड बना रही कांग्रेस की संभावनाओं और प्रयोगों दोनों की ही परीक्षा निकाय चुनाव में होगी। शहरी इलाकों में अच्छी पैठ रखने वाली कांग्रेस को पिछली बार कोई खास सफलता नहीं मिली थी। पार्टी ने हाल में नया अध्यक्ष और छह प्रांतीय अध्यक्ष बनाए हैं। कांग्रेस के नवनियुक्त प्रांतीय अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि हम सबको साथ लेकर चलने वाले लोग हैं। इसका असर निकाय चुनाव में देखने को मिलेगा। कांग्रेस मजबूती के साथ मैदान में उतरेगी और बेहतर प्रदर्शन करेगी। आज जनता इतिहास बनाने वालों व इतिहास बिगाड़ने वालों के बीच के फर्क को भलीभांति समझ गई है। उन्होंने कहा कि संगठन की मजबूती व जमीनी स्तर तक पार्टी कार्यकर्ताओं का सम्मान मेरी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

प्रदेश में चार चरणों में होंगे निकाय चुनाव तैयारी में जुटा आयोग

18 नवंबर को प्रकाशित होगी फाइनल वोटर लिस्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में इस बार नगरीय निकाय चुनाव दिसंबर में चार चरणों में करवाए जाने की तैयारी है। राज्य चुनाव आयोग के सूत्रों के अनुसार इन चुनावों की मतगणना जनवरी के पहले हफ्ते में होगी। पिछली बार वर्ष 2017 में नवंबर में चार चरणों में यह चुनाव करवाये गये थे और दो दिसंबर को मतगणना हुई थी। इस बार चुनाव जनवरी के पहले पखवारे तक संपन्न करवाया जाना जरूरी है। अधिकारियों के अनुसार चूंकि इस बार निकाय चुनावों के लिए वोटर लिस्ट का पुनरीक्षण कार्यक्रम ही एक से 18 नवम्बर तक चलेगा और 18 नवम्बर को फाइनल वोटर लिस्ट का प्रकाशन होगा।

इसके अलावा शहरी निकाय निदेशालय द्वारा परिसीमन, वार्डों के आरक्षण की प्रक्रिया भी अभी पूरी की जानी है इसलिए निकाय चुनाव दिसंबर में ही हो पाएंगे। आयोग द्वारा निर्धारित किए गए कार्यक्रम के अनुसार मौजूदा वोटर लिस्ट प्रकाशित होने वाली है।

सात नवंबर तक इस मौजूदा वोटर लिस्ट में वोटर अपना नाम व अन्य विवरण देख सकेंगे। आठ से 12 नवंबर के बीच अपने दावे और आपत्तियां दर्ज करवा सकेंगे। 14 से 17 नवंबर के बीच दावे और आपत्तियों का निस्तारण किया जाएगा। 18 नवंबर को अंतिम रूप से तैयार वोटर लिस्ट का प्रकाशन किया जाएगा। राज्य निर्वाचन आयुक्त ने कहा है कि जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत एवं नगरीय निकाय), निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी और सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी द्वारा अपने क्षेत्राधिकार के तहत नगरीय निकायों की वोटर लिस्ट के पुनरीक्षण कार्यक्रम का प्रचार-प्रसार करेंगे। सभी संबंधित कार्यालयों के सूचना पट पर भी यह कार्यक्रम प्रदर्शित किया जाएगा। वोटर अपना नाम शामिल किए जाने के लिए पहली से चार नवंबर तक राज्य निर्वाचन आयोग की वेबसाइट http//sec.up.nic.in पर भी आवेदन कर सकते हैं।

जिन निकायों में सीमा विस्तार नहीं वहां पुराने रोटेशन से चुनाव

सीमा विस्तार वाले नगर निकायों में नए सिरे से वार्ड आरक्षण तय किया जाएगा यानी आरक्षण के लिए पहले से चले आ रहे चक्रानुक्रम (रोटेशन) को शून्य मानकर नये सिरे आरक्षण किया जाएगा। सूत्रों के मुताबिक जिन निकायों का सीमा विस्तार नहीं किया गया है, वहां आरक्षण पुराने रोटेशन से होगा। हालांकि सभी शहरी निकायों से रैपिड सर्वे (ओबीसी आरक्षण तय करने के लिए इनकी अनुमानित संख्या का आकलन) का आंकड़ा फाइनल होने के बाद ही आदेश जारी किए जाएंगे। पिछली बार की तुलना में इस बार 111 अधिक निकायों में चुनाव कराए जाएंगे। सीमा विस्तार से कई वार्ड की चौहद्दी भी बदल गई है। यानी जिन निकायों में नये सिरे से आरक्षण होगा वहां तमाम चेहरे बदल जाएंगे। जो चेहरे सामान्य सीटों पर काबिज हैं, उनमें से कई जातिगत तौर पर आरक्षित हो सकते हैं।

राज्य सरकार ने निकाय चुनाव की तैयारियां की तेज

लोक सभा चुनाव 2024 का सेमीफाइनल माने जा रहे स्थानीय निकाय चुनाव की तैयारियों में सभी दल अपनी ताकत लगाए हुए हैं। हालांकि अभी महापौर से लेकर नगर पालिका व नगर पंचायतों के आरक्षण की स्थिति स्पष्ट नहीं है, लेकिन सभी दल मतदाताओं पर पकड़ मजबूत करने में जुटे हैं। दीपावली पर खूब मतदाता मिलन हुआ। इसी क्रम में सभी दल समीकरण बनाने में जुट गए हैं। बैठक कर वोटरों पर अपनी पकड़ बना रहे हैं। बताया जा रहा है कि नवंबर के दूसरे हफ्ते में निकाय चुनाव पर काम शुरू हो जाएगा। 4 नवंबर तक वार्डों में आरक्षण की सूची भी क्लीयर हो जाएगी।

लखनऊ में बदल जाएगा कई सीटों का समीकरण

राजधानी में रैपिड सर्वे (पिछड़ा वर्ग) की गणना का काम पूरा होने से नगर निगम के 110 वार्डों में राजनीतिक गतिविधियां भी तेज हो जाएंगी। इस गणना से सीटों पर जातीय समीकरण भी बदल जाएगा। वार्डों का आरक्षण का खाका तय होने के बाद ही स्थितियां साफ हो पाएंगी, लेकिन मौजूदा पार्षदों के साथ ही पहली बार चुनावी मैदान में उतरने की तैयारी कर रहे संभावित उम्मीदवारों की भी धुकधुकी तेज हो गई है। 2017 के निकाय चुनाव में पिछड़ा (जनगणना 2011 के आधार पर) वर्ग के लिए 20 सीटें आरक्षित की गई थीं, जो अब नगर निगम सीमा में विस्तारित क्षेत्र शामिल होने से बढ़ गई है।

बता दें कि पिछड़े वर्ग की आबादी बढ़ने से आरक्षण का लाभ भी इस वर्ग को अधिक मिलेगा। निकाय चुनाव में बीस के बजाय 21 सीटें पिछड़ा वर्ग (पुरुष-महिला) के लिए आरक्षित हो जाएंगी। इसी तरह अनुसूचित जाति की सीटों की संख्या भी बढ़ जाएगी। इस वर्ग के लिए अभी तक बारह सीटें (महिला पुरुष) थीं, जो बढ़कर 14 हो जाएंगी। अनारक्षित सीट पर कैंची चल जाएगी।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

हादसों से सबक कब लेगी सरकार

गुजरात के मोरबी में मच्छू नदी पर बने केबल का पुल टूटने से अब तक 135 लोगों की मौत हो चुकी है जबकि कई लोग घायल हो गए हैं। राज्य सरकार ने हादसे की जांच के लिए एसआईटी गठित की है। इस मामले में नौ लोगों को गिरफ्तार किया गया है। केंद्र और राज्य सरकार ने पीड़ितों को आर्थिक मदद देने का ऐलान किया है। सवाल यह है कि मरम्मत के बाद खुला पुल कैसे टूट गया? क्या बिना मजबूती को परखे ही लोगों की आवाजाही पुल पर शुरू कर दी गयी? पुल की क्षमता से संबंधित जरूरी जानकारी लोगों को क्यों नहीं दी गयी? क्या केवल रखरखाव कंपनी को इस हादसे का जिम्मेदार माना जा सकता है? आखिर लोगों की मौत का जिम्मेदार कौन है? क्या मुआवजे के मरहम से अपनों को गंवाने वालों का दुख कम किया जा सकता है? ऐसे हादसों से सरकार और संस्थाएं सबक क्यों नहीं लेती हैं?

छठ पर्व पर गुजरात के मोरबी में पुल टूटने की घटना ने एक बार फिर सरकार को कठघरे में खड़ा कर दिया है। यह पुल 143 साल पुराना था और इसकी समय-समय पर मरम्मत होती रही है। चार दिन पहले ही इसे मरम्मत के बाद खोला गया था। इसका ठेका ओरेवा ग्रुप कंपनी के पास था। कंपनी ने नगर पालिका से 2037 तक इस पुल की मरम्मत, रख-रखाव और संचालन का करार किया था। केबल पर बना यह पुल पैदल यात्रियों के लिए बनाया गया था। छठ पर्व के मौके पर पुल पर करीब पांच सौ लोगों की भीड़ जमा हो गयी थी। बताया जा रहा है कि मुनाफे के लालच में अधिक से अधिक टिकट बेचे गए और लोगों की सुरक्षा को धता बता दिया गया। प्राथमिक फोरेंसिक जांच रिपोर्ट के मुताबिक अधिक भीड़ और पुराने केबल के कारण पुल टूटा। जाहिर है पुल की मरम्मत में गोलमाल किया गया है। मरम्मत के नाम पर पुराने केबल के तार डाले गए। हालांकि जांच के बाद ही वस्तुस्थिति से पर्दा उठ सकेगा लेकिन इस मामले में नगरपालिका अधिकारियों की लापरवाही भी लोगों की जान का दुश्मन बन गयी। मजबूती को जांचे बिना पुल को खोलने का कंपनी की ओर से ऐलान किया गया लेकिन नगरपालिका की ओर से इसे रोकने के लिए कोई कदम नहीं उठाए गए। लोगों को पुल पर जाने दिया गया और हादसा हो गया। यह स्थिति तब है जब देश में पूर्व में पुल टूटने से बड़े हादसे हो चुके हैं। सरकार को चाहिए कि ऐसे लोगों के खिलाफ न केवल सख्त कार्रवाई हो बल्कि ऐसी व्यवस्था बनायी जाए ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएं दोबारा न हो सकें। साथ ही अप्रत्यक्ष रूप से शामिल भ्रष्टाचारियों को चिन्हित कर उनके खिलाफ भी कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए।

सवाल यह है कि मरम्मत के बाद खुला पुल कैसे टूट गया? क्या बिना मजबूती को परखे ही लोगों की आवाजाही पुल पर शुरू कर दी गयी? पुल की क्षमता से संबंधित जरूरी जानकारी लोगों को क्यों नहीं दी गयी? क्या केवल रखरखाव कंपनी को इस हादसे का जिम्मेदार माना जा सकता है? आखिर लोगों की मौत का जिम्मेदार कौन है?

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

कश्मीर विलय में नेहरू की भूमिका

वप्पला बालाचंद्रन

केंद्रीय कानून मंत्री किरेन रिजिजू ने आरोप लगाया है कि भारत में कश्मीर के विलय में देरी के लिए पंडित जवाहरलाल नेहरू जिम्मेदार हैं क्योंकि जुलाई, 1947 में महाराजा हरि सिंह की ओर से विलय संकेतों को नजरअंदाज किया जबकि आजादी मिलने में अभी एक महीना बाकी था। क्या यह इल्जाम ऐतिहासिक रूप से प्रमाणित है। लॉर्ड लुईस माउंटबेटन की बतौर अंतिम वायसरॉय लेखा-पुस्तक की रिपोर्ट (22 मार्च से अगस्त 1947) और वप्पला पन्नुणी मेनन लिखित 'भारतीय रजवाड़ों की विलय गाथा' ये दो किताबें प्राथमिक स्रोत हैं जो भारत में कश्मीर की विलय प्रक्रिया में शामिल व्यक्तियों का आंखों देखा वृत्तांत है। अमाउंटबेटन की पुस्तक तत्कालीन ब्रिटिश प्रधानमंत्री क्लेमेंट एटली को भेजी गई उनकी साप्ताहिक गुप्त रिपोर्टों का संकलन है। लायोनेल कार्टर द्वारा संपादित इसका सार्वजनिक संस्करण लोगों को 2002 में उपलब्ध हुआ।

1917 से ही वीपी मेनन देश के संवैधानिक मामलों से जुड़े रहे। 1942 में वायसरॉय के कानूनी सलाहकार बने। 1947 में सरदार वल्लभ भाई पटेल ने उन्हें भारत में 562 रजवाड़ों के विलय हेतु बनाई 'स्टेट मिनिस्ट्री' का सचिव नियुक्त किया। मेनन ने इस विषय पर दो पुस्तकें लिखीं, 'भारतीय रजवाड़ों के विलय की गाथा' और 'भारत में सत्ता का हस्तांतरण'। माउंटबेटन की कहानी उन्नीस दिसंबर 1946 से शुरू होती है जब उन्हें भारत का वायसरॉय नियुक्त किया गया। वे बाईस मार्च, 1947 को भारत पहुंचे। जिस राजनेता से सर्वप्रथम मिले, वह थे पं. जवाहरलाल नेहरू दिन था चौबीस मार्च, जब वे उनके अधीन काम कर रही अंतरिम सरकार में उपाध्यक्ष थे। मिलने वालों में दूसरे शख्स सरदार पटेल थे जो गृह विभाग समिति सदस्य थे। भारतीय रजवाड़ों की कहानी उन्नीस अप्रैल से शुरू होती है, जब माउंटबेटन ने लिखा कि वे ग्वालियर में नेहरू द्वारा भड़काऊ भाषण को लेकर मायूस हैं क्योंकि इसमें नेहरू ने राजा-महाराजाओं को अंतिम चेतावनी देते हुए कहा, 'या तो संविधान सभा की सदस्यता ग्रहण करो या फिर बागियों से किए जाने वाले बर्ताव के तैयार रहो।' माउंटबेटन ने नेहरू से कहा कि वे इन बोलों को 'असामयिक और दुर्भाग्यपूर्ण' मानते हैं।' जून में, रजवाड़ों से संवेदनशील संबंधों पर बरतने हेतु नए 'राज्य विभाग' विभाग का गठन हुआ। माउंटबेटन कहते हैं, 'मुझे डर था कि नेहरू इस नए विभाग का मुखिया बनने की जिद करेंगे। हालांकि राहत हुई जब इसकी कमान

पटेल ने संभाली। तब और खुशी हुई जब मेरे 'सुधार आयुक्त' वीपी मेनन को सचिव नियुक्त किया गया।' आगे माउंटबेटन ने लिखा कि कैसे उन्होंने गांधी और नेहरू द्वारा कश्मीर जाने की अनुमति को यह कहकर खारिज किया 'मुझे अपने पुराने मित्र और महाराजा कश्मीर से वहां आने का निमंत्रण मिला है और मैं स्वयं जाकर महाराजा और उनके प्रधानमंत्री काक से वार्ता का मौका आपसे चाहूंगा।' माउंटबेटन ने महाराजा को सलाह दी थी कि वे जो भी निर्णय हो, प्रजा की इच्छा जानकर जल्द लें, और किसी प्रकार की आजादी की घोषणा से बचें। राज्य विभाग उनको भरोसा देने को तैयार है कि यदि कश्मीर पाकिस्तान में शामिल होना चाहता है तो भारत सरकार इसको अमैत्रीपूर्ण नहीं मानेगी। हालांकि महाराजा ने तबियत ठीक न होने का बहाना बनाकर कन्नी काट ली।' महाराजा और काक, दोनों को पं. नेहरू नापसंद थे। कश्मीर को लेकर माउंटबेटन का अंतिम इंदराज दस अगस्त का है, जिसमें प्रधानमंत्री काक के इस्तीफे का जिक्र है और महाराजा को वायसरॉय की निजी और रेजीडेंट की मार्फत पहुंचाई सलाह के बावजूद उनके टालमटोल वाले रवैये का जिक्र है, जबकि उन्हें 15 अगस्त से पहले हर हाल में कोई फैसला लेने को कहा गया था। वीपी मेनन की पुस्तक भी माउंटबेटन के विवरण की तस्दीक करती है। पाकिस्तान ने 22 अक्टूबर, 1947 को 'यथास्थिति संधि' का उल्लंघन कर कश्मीर पर धावा बोल दिया। माउंटबेटन को महाराजा की ओर से भेजे 'आपात संदेश' में तत्काल मदद की गुहार लगाई गई। माउंटबेटन की अध्यक्षता में रक्षा समिति की बैठक हुई और उसमें मेनन से कश्मीर पहुंचकर वस्तुस्थिति का जायजा लेने को कहा गया। उन्होंने महाराजा हरिसिंह को सपरिवार श्रीनगर से हटने की सलाह दी क्योंकि घुसपैठिए बारामूला तक पहुंच चुके थे। माउंटबेटन ने तय किया कि कश्मीर में भारतीय सेना भेजने से पहले विलय-पत्र कानूनन जरूरी है। तब विलय-सहमति प्रपत्र लेने को मेनन विमान से जम्मू पहुंचे। जब वे दस्तावेज ले वापस पहुंचे तो पटेल उनका इंतजार कर रहे थे। वे सीधे रक्षा समिति गए जिसने विलय-पत्र को स्वीकार किया। कुल मिलाकर मेनन ने कहीं जिक्र नहीं किया कि महाराजा ने नेहरू से संपर्क साधा था। कश्मीर पर निर्णय पटेल-माउंटबेटन की जोड़ी ले रही थी।

तीर्थों के जीर्णोद्धार से खुलती विकास की राह

सुरेश सेठ

महामारी के कारण दो बरस के प्रतिबंधों के दौर में देश की आम जिंदगी कैसे ठहर गयी थी, इसका अहसास दिवाली के हाल के दिनों में नागरिकों के अति उत्साह से बाहर आकर बाजारों में बढ़-चढ़कर खरीदारी करने से हो गया है। लगा नहीं कि देश में ऊंची महंगाई और महामंदी का विरोधाभास चल रहा है। अब तक आरबीआई ने कीमत नियंत्रक मौद्रिक नीति में चार बार रेपो रेट बढ़ाकर और कर्ज-ईएमआई महंगी कर अतिरिक्त मांग कम करने एवं तरलता प्रवाह घटाने का निरंतर प्रयास किया था लेकिन कोरोना संक्रमण से मुक्त होते माहौल में देशवासियों द्वारा पुन: सामान्य जिंदगी जी लेने का इतना उत्साह उभरा है कि बढ़ती ईएमआई की परवाह किये बिना दिवाली के दिनों में ऑटो क्षेत्र में कारों की रिकार्ड बुकिंग हुई और अब बढ़िया कारों की कई महीनों की वेटिंग चल रही है।

वैसे डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपये के गिरते मूल्य के बावजूद, सत्ता पक्ष के आंकड़ों के अनुसार, इस वर्ष निर्यात में रिकार्ड वृद्धि हुई। लेकिन हमारी अर्थव्यवस्था आयात आधारित है। फिर ऊर्जा के लिये कच्चे तेल और प्राकृतिक एवं ईंधन गैस का पिचासी प्रतिशत विदेशों से मंगवाने की मजबूरी तो है ही। इसलिए बढ़ते निर्यात के मूल्यांकन का बंटाधार तो डॉलर के मुकाबले रुपये के चौरासी रुपये तक गिरने ने कर दिया और आयात के लिये डॉलर के मुकाबले अधिक रुपये देने की मजबूरी ने व्यापार शेष को तनिक भी कम नहीं होने दिया। विशेषज्ञ कहते हैं, अगले बरस तक रुपया अभी और गिरेगा। शायद एक डॉलर पच्चासी रुपये तक चला जाये इसलिये व्यापार शेष की यह खाई और गहरी होगी। अब इस बढ़ती खाई से निकलने का प्रश्न उभरा जिसका उत्तर दीपोत्सव के दिनों में देश की धर्मपरायण जनता ने एक मौलिक ढंग से दे दिया है कि आस्था के विकास के साथ अपने देश की पहचान और उसके सांस्कृतिक मूल्यों के संवर्द्धन से देश के आर्थिक मूल्यों के संवर्द्धन को भी जोड़ा जा सकता है।

उत्सव के ये दिवस बता गये हैं कि अपने धर्म के प्रति समर्पण का अर्थ दूसरे धर्म के प्रति कटुता नहीं। लेकिन अपने धर्म के प्रति समर्पित हो, अपने खोये हुए जीवन मूल्य तलाश लेना कोईगुनाह नहीं। दीपोत्सव के दिनों में प्रधानमंत्री मोदी ने बद्रीनाथ और केदारनाथ की यात्रा में भक्तों की श्रद्धा को आधुनिकता के साथ जोड़ देश को इस नये रास्ते पर चलने का संदेश दे दिया। बेशक आस्था के ये केंद्र मंदी, बेकारी, भ्रष्टाचार और महंगाई से ग्रस्त जिंदगी की प्राणशक्ति बन सकते हैं। असल में, भौतिकवादी मूल्यों के प्रसार के साथ सर्वोपरि छद्म मानसिकता ने धर्मस्थलों को हमारा संबल नहीं बनने दिया। 2047 तक देश को सही अर्थों में विकसित बनाने के लिए विकास के पथ पर निरंतर चलने का संदेश सबको मिल चुका है। ऐसे में अगर धर्मस्थानों के उद्धार के साथ लोगों की मानसिकता बदल कर इन्हें एक आदर्श जीवन का विस्तार दे दिया जाये तो इसमें गलत क्या है?

आज अयोध्या, काशी और उज्जैन अपने प्राचीनतम गौरव को हासिल कर रहे हैं। उज्जैन के महाकाल मंदिर के गलियारे में मोदी का मंत्र पाठ या केदारनाथ की एक गुफा में घंटों एकान्त साधना क्या यह नहीं बताती कि अपना-अपना स्वार्थ साधने से हटकर एक रास्ता और भी है, आध्यात्मिक मूल्यों की फिर तलाश का रास्ता। अयोध्या में दिवाली पर रिकार्ड स्तर पर लाखों दीयों का दीप्त हो जाना, क्या यह नहीं बताता कि इस देश में राम के आदर्श मूल्यों का स्वीकार होना चाहिए? लाखों दीयों ने राम को वापस पाने की पुकार की है। यह पुकार वंदना बन पूरे देश से होनी चाहिए- सब धर्मों के सम्मान के साथ नये जीवन मूल्यों के स्वागत की। धर्मस्थानों के इस पुनरुत्थान का स्वागत जो नये भारत के नागरिक करें, वे आर्थिक रूप से अपनी कर्मठता के बल पर खड़े हों। देश आत्मनिर्भर बने, उसकी आयात आधारित अर्थव्यवस्था की पहचान बदलनी चाहिए। सांस्कृतिक संवर्द्धन देश के आर्थिक संवर्द्धन की उपेक्षा करके नहीं हो सकता। तभी तो प्रधानमंत्री ने जर्जर मंदिरों के कायाकल्प के साथ इसी क्षेत्र में 12.4 किलोमीटर लंबे गौरीकुंड-केदारनाथ हेमकुंड साहिब रोपवे के निर्माण के संकल्प के साथ 9.7 किलोमीटर लंबे गौरीकुंड-केदारनाथ राजमार्ग के निर्माण की घोषणा भी की है। 3400 करोड़ रुपये की सड़क और राजमार्ग परियोजनाओं का शिलान्यास किया है। मंतव्य यही है कि विकास यात्रा जहां हर धर्म के धर्मस्थानों के प्रति एक जैसे सम्मान की हो, वहां धार्मिक पर्यटन को भी पूरा बढ़ावा दे सके।

पर्यटन स्थल केवल इन धर्मस्थलों के जीर्णोद्धार से भी नहीं बनेंगे, बल्कि हमारी सरहद पर स्थित हर आखिरी गांव भी हमारा प्रहरी है। उनका विकास भी हो, पर्यटक यहां तक आयें। राष्ट्र की अखंडता को बनाये रखने के लिए अपने पर्यटन व्यय से कुछ बचा कर यहां की स्थानीय दस्तकारियों पर व्यय कर दें? उद्देश्य इनकी लोककला को ही घर-घर तक पहुंचा कर 'भारत एक है' का संदेश देना नहीं, बल्कि इन पिछड़े हुए इलाकों को आत्मनिर्भरता का एक स्थायित्व देना भी है। नि:संदेह दूरस्थ इलाकों में छिटके हुए यह कुटीर और घरेलू उद्योग देश के नये श्रम मंदिर हैं। धर्मपरायण मूल्यों में हमारा नवजागरण अगर 'माणा' जैसे देश के आखिरी गांवों तक हमारे संतुलित आर्थिक विकास का संदेश ले जाता है, तो इससे बड़ा सांस्कृतिक गौरव देश के विकास की कतार में खड़े आखिरी लोगों के लिए और क्या होगा?

नवमी के रूप में पूजते हैं
आंवला नवमी

कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि को आंवला नवमी का पर्व मनाया जाता है। इसे अक्षय नवमी के नाम से भी जानते हैं। मान्यता है कि आंवला नवमी के दिन व्रत रखा जाता है, साथ ही आंवला के पेड़ की पूजा भी की जाती है, ऐसा करने से सभी पापों से मुक्ति मिलती है और कष्ट दूर होते हैं। इस साल आंवला नवमी का पर्व 2 नवंबर 2022 बुधवार को मनाया जा रहा है। आइए जानते हैं आंवला नवमी की तिथि, शुभ मुहूर्त, पूजा विधि और महत्व क्या है इस दिन महिलाएं आंवले के पेड़ के नीचे बैठकर संतान प्राप्ति और उनके अच्छे स्वास्थ्य के लिए पूजा करती हैं। इस दिन आंवला के पेड़ के नीचे बैठकर भोजन भी किया जाता है। आंवला नवमी के पावन दिन व्रत कथा को पढ़ने या सुनने का भी विशेष महत्व होता है, ऐसा माना जाता है कि कृष्ण ने बाल लीलाएं छोड़कर अपनी जिम्मेदारियों को समझा था और मथुरा का त्याग किया था, इसलिए उस दिन को आंवला नवमी के रूप में पूजते हैं।

शुभ मुहूर्त

नवमी तिथि प्रारम्भ - 1 नवम्बर 2022,मंगलवार को रात 11 बजकर 04 मिनट से शुरू
नवमी तिथि समाप्त - 2 नवम्बर 2022, बुधवार को रात 9 बजकर 9 मिनट तक
पूजा का शुभ मुहूर्त- सुबह 06.34 से दोपहर 12.04 बजे तक
अवधि- 5 घंटे 31 मिनट

कैसे करें पूजा

सुबह सुबह स्नान करके नए कपड़े पहनकर पेड़ के नीचे बैठकर उसकी पूजा की जाती है। इस दिन आंवला की जड़ में जल में कच्चा दूध मिलाकर अर्पित किया जाता है, इसके साथ ही फूल,माला,सिंदूर,अक्षत आदि लगाने के साथ भोग लगाया जाता है, पेड़ के नीचे बैठकर भोजन किया जाता है। इसके साथ ही तने में कच्चा सूत या फिर मौली आठ बार लपेट सकते हैं। पूजा के बाद व्रत कथा सुनी जाती है और आरती भी करते हैं। इसके अलावा महिलाएं व्रत भी रखती हैं।

नवमी का महत्व

आंवला नवमी के दिन दान पुण्य का अधिक महत्व है, माना जाता है कि कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि से लेकर कार्तिक पूर्णिमा तक भगवान विष्णु आंवले के पेड़ में विराजमान रहते हैं। इसलिए अक्षय नवमी के दिन विधिवत आंवला के पेड़ की पूजा करने के साथ इसकी छाया में बैठकर भोजन करना शुभ माना जाता है, इस दिन आंवला के पेड़ की पूजा करने के साथ 108 बार परिक्रमा करने से सभी कामनाएं पूर्ण हो जाती है।

कथा

काशी में एक नि:संतान धर्मात्मा वैश्य रहता था, एक दिन वैश्य की पत्नी से एक पड़ोसन बोली यदि तुम किसी पराए लड़के की बलि भैरव के नाम से चढ़ा दो तो तुम्हें पुत्र प्राप्त होगा, यह बात जब वैश्य को पता चली तो उसने अस्वीकार कर दिया, परंतु उसकी पत्नी मौके की तलाश में लगी रही, एक दिन एक कन्या को उसने कुएं में गिराकर भैरो देवता के नाम पर बलि दे दी, इस हत्या का परिणाम विपरीत हुआ, लाभ की जगह उसके पूरे बदन में कोढ़ हो गया तथा लड़की की प्रेतात्मा उसे सताने लगी, वैश्य के पूछने पर उसकी पत्नी ने सारी बात बता दी इस पर वैश्य कहने लगा गौवध, ब्राह्मण वध तथा बाल वध करने वाले के लिए इस संसार में कहीं जगह नहीं है। इसलिए तू गंगा तट पर जाकर भगवान का भजन कर तथा गंगा में स्नान कर तभी तू इस कष्ट से छुटकारा पा सकती है, वैश्य की पीछे पश्चाताप करने लगी और रोग मुक्त होने के लिए मां गंगा की शरण में गई, तब गंगा ने उसे कार्तिक शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि को आंवला के वृक्ष की पूजा कर आंवले का सेवन करने की सलाह दी थी, जिस पर महिला ने गंगा माता के बताए अनुसार इस तिथि को आंवला वृक्ष का पूजन कर आंवला ग्रहण किया था और वह रोगमुक्त हो गई थी, इस व्रत व पूजन के प्रभाव से कुछ दिनों बाद उसे संतान की प्राप्ति हुई, तभी से हिंदुओं में इस व्रत को करने का प्रचलन बढ़ा, तब से लेकर आज तक यह परंपरा चली आ रही है।

हंसना मना है

नंबर वाला चश्मा उतारने का घरेलू उपाय... पहले दायें हाथ में दायी डंडी पकड़ें, फिर बायें हाथ में बायी डंडी पकड़ें,धीरे से चश्मा आगे की तरफ खींचें,चश्मा उतर जायेगा।

भाई कितनी भी पढ़ाई कर लो, डिग्री-विग्री ले लो...लेकिन रेस्टोरेंट के दरवाजे पर Push और Pull लिखा देखते हो तो... 2-3 सेकेंड के लिए सोचना जरूर पड़ता है कि दरवाजा धकेलना है कि खींचना है।

मौंटी- अगर कोई गलती हो जाए तो पता है क्या करना चाहिए...शौंटी- क्या...? मौंटी- शांति से बैठकर सोचना चाहिए कि नाम किसका लगाना है...!

छात्र - सर जी...मास्टर - हां बोलो...छात्र - मैंने जो काम नहीं किया क्या आप उसकी सजा मुझे देंगे...? मास्टर - नहीं, बिल्कुल नहीं! बोलो क्या बात है...? छात्र - मैंने आज होमवर्क नहीं किया...!

लड़की- कितना प्यार करते हो मुझसे? टीटू- शाहजहां जैसा, लड़की जिद्द करने लगी, ताजमहल बनवाओ. टीटू- जमीन खरीद ली है, बस तुम्हारे मरने का इंतज़ार कर रहा हूं आस-पास खड़े लड़कों ने ठोका सलाम!

ताऊ अस्पताल गए इलाज करवाने... नर्स- लम्बी सांस लो। ताऊजी ने लंबी सांस ली... नर्स- कैसा महसूस हो रहा है? ताऊजी- कौन सा Perfume लगाकर आई हो, बहुत अच्छा है...।

कहानी | देखो गुस्सा न करना

सूरज और हवा एक दिन अपनी बहादुरी की कहानियां सूना रहे थे। सूरज कहता था कि वह ज्यादा ताकतवर है हवा कहती थी कि वह ज्यादा शक्तिशाली है। दोनों ने तय किया कि वे एक प्रतियोगिया करेंगे। दोनों एक बड़े से मैदान की ओर मुंह करके खड़े हो गए। उन्होंने निश्चय किया कि इस मैदान से होकर जो पहला यात्री जाएगा, उस पर ध्यान देना है। हवा और सूरज में से जो उस यात्री को कपड़े उतरने के लिए मजबूर कर देगा वहीं ज्यादा ताकतवर होगा। तभी उस मैदान में एक व्यक्ति आता दिखाई दिया। हवा ने कहा कि पहले वह कोशिश करेगी। उसे विश्वास था कि वह जरूर जीतेगी। हवा ने जोर से चलना शुरू किया। उस व्यक्ति के कपड़े उड़ने लगे। उसको चलना मुश्किल होने लगा। लेकिन उसके कपड़े जितना उड़ने की कोशिश करते थे, उतना ही वह उन्हें और कसकर अपने शरीर पर बांध लेता था। यह देखकर हवा को गुस्सा आने लगा। वह इतनी जोर से बही कि तूफान-सा आने लगा। अपनी सुरक्षा के लिए वह व्यक्ति एक कोने में खड़ा हो गया। आखिर हवा थक कर चूर हो गई। लेकिन वह उस व्यक्ति का एक भी कपड़ा नहीं उतरवा पाई। हवा के झोंके रुके तो वह व्यक्ति फिर से आगे बढ़ा। उसे यह देखकर आश्चर्य हुआ कि अचानक सूरज तेजी से चमकने लगा था और गर्मी बढ़ने लगी थी। बात यह थी कि अब सूरज की बारी थी अपनी कोशिश करने की। सूरज ने न तो गुस्सा किया और न ही ज्यादा ताकत लगाई। बस आराम से चमकता रहा। आखिर उस व्यक्ति को गर्मी लगने लगी। गर्मी से परेशान होकर उसने अपने कपड़े उतारे। पास में ही एक नदी बहती थी। नहाने के लिए वह नदी की ओर चला गया। सूरज जीत गया। हवा समझ गई कि क्रोध करने से कुछ नहीं होता। बीएस शांत रहकर अपना काम करना चाहिए। जो काम शांत स्वभाव वाले कर सकते हैं, वही काम क्रोधी व्यक्ति के लिए कर पाना मुश्किल होता है।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष मानसिक शान्ति के लिए किसी दान-पुण्य के काम में सहभागिता करें। कोई बेहतरीन नया विचार आपको आर्थिक तौर पर ?यदा दिलायेगा। रिश्तेदारों और दोस्तों से अचानक उपहार मिलेगा।

वृषभ प्रभावशाली लोगों का सहयोग आपके उत्साह को दोगुना कर देगा। अगर आप आय में वृद्धि के स्रोत खोज रहे हैं, तो सुरक्षित आर्थिक परियोजनाओं में निवेश करें।

मिथुन आज का दिन शानदार बीतेगा। कार्यस्थल पर वरिष्ठ अधिकारी आपके काम की तारीफ कर सकते हैं। आपकी सैलरी में बढ़ोत्तरी भी हो सकती है। आपके अटके हुए काम पूरे हो सकते हैं।

कर्क आज का दिन आपके लिए उत्साहपूर्ण रहेगा । आज कार्यों में तरक्की बनी रहेगी। साथ ही कोई मांगलिक कार्य भी कर सकते हैं। दोस्तों के साथ बाहर मौसम का लुफ्त उठा सकते हैं।

सिंह आर्थिक तंगी से बचने के लिए अपने तयशुदा बजट से दूर न जाएं। जरूरत के वक्त आपको दोस्तों का सहयोग मिलेगा। आज प्यार की मदहोशी में हकीकत और फ़साना मिलकर एक होते मालूम होंगे।

कन्या बड़े बुजुर्गों की सलाह आपके लिए लाभकारी सिद्ध होगी। धन लाभ का योग बन रहा है। शत्रु आपको हराने का प्रयास करेंगे, लेकिन आपके सामने अधिक देर तक ठहर नहीं पायेंगे।

तुला आज आपका मन प्रसन्न रहेगा। आप घर और ऑफिस की दुनिया से बाहर निकल कर प्रकृति का आनंद लेगा । पुरानी बहुमूल्य चीजों के मोलभाव पर आज आपको लाभ होगा।

वृश्चिक घरेलू सुख-सुविधा की चीजों पर जरूरत से ज़्यादा खर्चा न करें। आपका मूडी रवैया आपके भाई का मिजाज खराब कर सकता है। स्नेह के बंधन को बनाए रखने के लिए आपको परस्पर सम्मान और विश्वास पैदा करने की जरूरत है।

धनु मानसिक शान्ति के लिए तनाव के कारणों का समाधान करें। दीर्घावधि निवेश से बचिए और अपने दोस्तों के साथ बाहर जाकर कुछ खुशी के पल बिताएं।

मकर आज का दिन ठीक-ठाक रहने वाला है । आज अपनी सोच को सकारात्मक रखें, नकारात्मक चीज़ों को अपने ऊपर हावी न होने दें। लेकिन आपको अच्छे ऑप्शन देखकर ही कदम आगे बढ़ाना चाहिए।

कुम्भ निवेश से जुड़े कुछ बेहतर मौके मिल सकते हैं। आज नए विचार आपके सामने आते रहेंगे। आज योजना बनाने और फैसला लेने के लिए दिन बहुत अच्छा है।

मीन आज आपके पास प्रचुर ऊर्जा होगी लेकिन काम का बोझ आपकी खीज की वजह बन सकता है। घरेलू सुख-सुविधा की चीजों पर जरूरत से ज़्यादा खर्चा न करें। दोस्तों और परिवार के साथ मजेदार समय बीतेगा।

किंग खान | जन्मदिन

यश राज फिल्म्स खास अंदाज में मनाएगा शाहरुख का जन्मदिन

शाहरुख खान हिंदी फिल्म इंडस्ट्री पर लगभग तीन दशकों से राज कर रहे हैं। जल्द ही एक्टर का जन्मदिन मनाया जाएगा। इस खास मौके पर यश राज फिल्म्स ने किंग खान को बेहद खास तोहफे देगा। शाहरुख खान और यश राजका रिश्ता बेहद मजमूत और पुराना है। इसीलिए यश राज फिल्म्स ने शाहरुख के जन्मदिन को स्पेशल तरीके से मनाने का प्लान किया है। तो क्या कुछ खास होने वाला है आइए आपको बताते हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यश राज फिल्म्स शाहरुख के बर्थडे के दिन उनकी मोस्ट अवेटेड फिल्म पठान का टीजर रिलीज करेगा। शाहरुख के फैंस उनकी इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार हैं। इस फिल्म में किंग खान के साथ दीपिका पादुकोण और जॉन अब्रहम नजर आने वाले हैं। वहीं फिल्म सलमान खान का कैमियो भी देखने को मिल सकता है। इसके साथ दूसरे तोहफे के रूप में यश राज फिल्म्स 20 अक्टूबर 1995 को रिलीज हुई शाहरुख की ब्लॉकबस्टर दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे को फिर से रिलीज करेगा। बता दें शाहरुख खान की ये फिल्म 27 साल से लगातार मुम्बई के मराठा मंदिर में चल रही है। हालांकि कोरोना काल में ये फिल्म नहीं चली थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे की एडवांस बुकिंग शुरू हो गई है। फिल्म का क्रेज आज भी लोगों के सिर चढ़ा हुआ है। इस फिल्म में शाहरुख और काजोल की आइकॉनिक जोड़ी नजर आई थी। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो दो नवंबर यानी शाहरुख खान के बर्थडे पर फैन्स, मराठा मंदिर के अलावा देशभर में पीवीआर के कई थिएटर्स में भी डीडीएलजे देख सकेंगे। इतना ही नहीं, इसके लिए दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, कानपुर, अहमदाबाद, लखनऊ, पुणे और सूरत में फिल्म की एडवांस बुकिंग भी शुरू हो चुकी है।

बैंड-बाजा-बारात के लिए तैयार कियारा आडवाणी-सिद्धार्थ

सिद्धार्थ मल्होत्रा और कियारा आडवाणी अपने रिश्ते पर शादी की मुहर लगाने वाले हैं। ऐसे में अफवाह थी कि वो 2023 में शादी करेंगे लेकिन शादी से पहले वो अपना ज्यादातर वक्त एक दूसरे के साथ बिताने में स्पेंड कर रहे हैं। ऐसे में इनकी शादी से जुड़ी एक बड़ी अपडेट सामने आ रही है। दावा किया जा रहा है कि इसी साल दोनों शादी करने वाले हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इसी साल दिसंबर में कियारा और सिद्धार्थ शादी कर लेंगे। यहां तक की शादी की तारीख भी तय कर ली गई है। हालांकि दोनों के परिवार की ओर से शादी को लेकर अभी तक कोई अपडेट नहीं है। ये भी खबरें हैं कि शादी के बाद दोनों मुंबई में धमाकेदार रिसेप्शन करेंगे। बता दें कि इसी साल ये खबरें आ रही थीं कि कियारा और सिद्धार्थ 2023 अप्रैल में शादी के बंधन में बंधेंगे। ऐसे में पहले शादी करने का उनका ये फैसला फैंस को काफी पसंद आया है। बता दें कि शेरशाह के सेट से शुरू हुई ये प्यार भरी दोस्ती जल्द हीपति पत्नी के बंधन में बंधने जा रही है। हालांकि हाल ही में दोनों की ब्रेकअप की खबरें

बॉलीवुड | गपशप

सर्कुलेट हो रही थीं। ये अनुमान लगाया जा रहा था कि दोनों अपेन रास्ते अलग करने वाले हैं लेकिन करण जौहर का शो हो या कोई भी इंटरव्यू एव हर फंक्शन में दोनों बाहों में बाहें डाले घूमते हुए नजर आ ही जाते हैं। वैसे बीते दिनों उन्हें दिवाली पार्टी में साथ में स्पॉट किया गया था।

प्रभास स्टारर आदिपुरुष की रिलीज हुई पोस्टपोन

प्रभास और सैफ अली खान स्टारर फिल्म आदिपुरुष साल 2023 में रिलीज होने के लिए पूरी तरह से तैयार है। ओम राउत के निर्देशन में बनी इस फिल्म में रामायण की कहानी को आधुनिक अंदाज में पेश किया गया है। टीजर की रिलीज के बाद फिल्म को इसके ङ्कस्नङ्ग के लिए ट्रोल जरूर किया गया, लेकिन बावजूद इसके फिल्म

बॉलीवुड | मसाला

का सपोर्ट और इसका इंतजार करने वालों की कोई कमी नहीं है।

फिल्म 12 जनवरी 2023 को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही थी, लेकिन मीडिया रिपोर्ट के अनुसार इसकी रिलीज डेट को आगे बढ़ा दिया गया है। खबर है कि फिल्म की रिलीज डेट बदलकर 2023 की गर्मियों में कहीं शिफ्ट की जा सकती है। जाहिर है कि यह एक बहुत बड़ा बदलाव होगा। मेकर्स के ऐसा करने के पीछे वजह क्या है, इस बात का पता नहीं चला है। मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक संक्रांति के जिस हफ्ते में आदिपुरुष की रिलीज है, उसी हफ्ते में चिरंजीवी की फिल्म Waltair Veerayya और नंदमुरी बालकृष्णन स्टारर फिल्म Veera Simha Reddy भी रिलीज होने वाली है। ऐसे में खतरा इस बात का है कि आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में आदिपुरुष को पर्याप्त दर्शक नहीं मिल पाएंगे। इसी क्लैश से बचने के लिए मेकर्स ऐसा कर रहे हैं। रिपोर्ट्स की मानें तो ओम राउत जल्द ही नई रिलीज डेट का ऑफिशियल अनाउंसमेंट कर सकती है। ऐसे में आदिपुरुष के लिए भले ही दर्शकों को थोड़ा और इंतजार करना पड़े लेकिन उम्मीद है कि यह इंतजार लोगों को खलेगा नहीं और फिल्म बॉक्स ऑफिस पर उम्मीद के मुताबिक कमाई भी कर पाएगी। प्रभास की दो और फिल्में अगले साल फ्लोर पर आएंगी। इसके अलावा सैफ अली खां की बीते तीन सालों में आई अधिकतर फिल्में फ्लाप रही। बावजूद सैफ अली खां छाए हुए हैं।

अजब-गजब | कोई नहीं जान पाया इसका रहस्य

ये है दुनिया की सबसे रहस्यमयी नदी जिसमें हमेशा बहता है खौलता पानी

दुनियाभर में अनगिनत रहस्यमयी चीजें मौजूद हैं जिनके बारे में इंसान आज तक नहीं जान पाया। आज हम आपको एक ऐसे ही रहस्य के बारे में बताने जा रहे हैं जो एक नदी से जुड़ा हुआ है। दरअसल, बात कर रहे हैं शनय टिमपिशका नदी के बारे में। जो किसी भी रहस्य से कम नहीं है। यही नहीं इस नदी के बारे में अभी भी बहुत ही कम लोग जानते हैं। वैसे तो आप किसी भी नदी के किनारे आराम से बैठ सकते लेकिन शनय टिमपिशका नदी के किनारे बैठके लिए आपको बहुत साहस की जरूरत पड़ेगी क्योंकि इस नदी में हमेशा खौलता हुआ पानी बहता है। अगर इसमें गलती से भी कोई घुसा तो उसकी मौत निश्चित है।

बता दें कि शनय टिमपिशका नदी दक्षिण अमेरिका के पेरू देश में बहती है। ये नदी पेरू के जंगलों की एक ऐसी रहस्यमयी नदी है, जिसका पानी हमेशा खौलता रहता है जो किसी की भी जान ले सकता है। इस नदी के पानी का तापमान हमेशा करीब 50 से 90 डिग्री सेल्सियस तक रहता है। इससे भी ज्यादा हैरानी की बात तो ये है कि नदी का पानी हर जगह पर इतना गर्म नहीं होता, बल्कि कुछ जगह पर ये 100 डिग्री सेल्सियस को भी पार कर जाता है। ये पानी इतना गर्म होता है इससे आप आसानी से खाना बना सकते हैं। बता दें कि ये रहस्यमयी नदी करीब 25 मीटर चौड़ी और लगभग 6 मीटर तक गहरी है। नदी का पानी बेहद गर्म होने की वजह से इसके आस-पास उठने वाली गर्म भाप के कारण इस नदी में कई छोटे जानवरों की गिरने की वजह से मौत भी हो जाती है। इस नदी का खौलता पानी इतना गर्म है कि अगर कोई इंसान इसमें एक सेकंड से कम समय के लिए अपना हाथ डाले तो उसे गहरे से गहरा घाव हो सकता है। इस नदी के बारे में साल 1930 से पहले किसी को पता नहीं था। क्योंकि नदी में इस तरह के गर्म पानी की कल्पना सिर्फ ज्वालामुखी के आसपास वाले इलाके में ही की जा सकती है। नदी से करीब 400 मील की दूरी पर 'अमेजन बेसिन' नामक एक सक्रीय ज्वालामुखी को भी इस नदी के गर्म पानी का कारण नहीं समझा जा सकता है। क्योंकि ये काफी दूर होने की वजह से इस नदी के पानी को गर्म नहीं कर सकता। वहीं वैज्ञानिकों का कहना है कि इस नदी के नीचे बहुत गहराई में कभी किसी समय में कोई तेज भूकंप आया होगा, जिससे नदी के नीचे कोई बड़ी दरार बन गयी होगी। उसी दरार के जरिए जमीन के अंदर का गर्म लावा लगातार नदी के संपर्क में आता रहता है, जिसकी वजह से नदी का पानी हमेशा उबलता रहता है। वहीं यहां के स्थानीय लोगों का कहना है कि नदी को 'शनय टिमपिशका' के नाम से बुलाने के पीछे भी खास मकसद है। क्योंकि शनय टिमपिशका का मतलब 'सूरज की गर्मी से उबलने वाली नदी' होता है। इस नदी की साल 2011 में सरकारी तौर पर पुष्टि की गयी थी।

जीवित रूप में विराजमान हैं हनुमानजी! मूर्ति से आती है सांसों की आवाज

हमारे देश में कई चमत्कारिक मंदिर हैं। वहीं हनुमानजी के चमत्कारों के किस्से भी दुनियाभर में मशहूर हैं। हिन्दू धर्मग्रंथों के अनुसार, हनुमानजी आज भी धरती पर अज्ञात रूप में वास करते हैं। ऐसा कहा जाता है कि पवनपुत्र को अमरता का वरदान प्राप्त है। ऐसे में हनुमानजी के कई ऐसे मंदिर हैं, जिनमें चमत्कार देखने को मिलते हैं। हनुमानजी का ऐसा ही एक चमत्कारिक मंदिर उत्तर प्रदेश के इटावा में भी है। ऐसा माना जाता है कि यहां हनुमानजी जीवित रूप में विराजमान हैं। यहां भक्त खुद अपनी आंखों से बजरंगबली को चमत्कार करते देखते हैं। इस मंदिर को पिलुआ महावीर मंदिर के नाम से जाना जाता है। यह मंदिर इटावा शहर से लगभग 12 किमी दूर यमुना किनारे गांव रूरा में स्थित इस हनुमान मंदिर में दूर-दूर से भक्त पूजा अर्चना करने आते हैं। स्थानीय लोगों का मानना है कि इस मंदिर में ध्यानमग्न होकर बैठने पर हनुमानजी की सांसों की आवाज सुनाई देती है। साथ ही राम नाम की ध्वनी भी निकलती है। इस मंदिर के मुख्य महंत का कहना है कि वैसे तो हनुमान जी की लेटी हुई मूर्ति इलाहबाद में भी है, लेकिन जैसी मूर्ति यहां पर है ऐसी दूसरी मूर्ति देश और दुनिया के किसी भी दूसरे हिस्से में नहीं है। हनुमान जी की इस प्रतिमा के मुख में हर वक्त पानी भरा रहता है। हनुमानजी की इस मूर्ति के मुंह में कितना भी प्रसाद डालो पूरा प्रसाद मुंह में समा जाता है। आज तक किसी को पता नहीं चला कि यह प्रसाद जाता कहां है। यहां महाबली हनुमानजी की प्रतिमा लेटी हुई है और लोगों की माने तो ये मूर्ति सांस भी लेती है और भक्तों के प्रसाद भी खाती है। ऐसा माना जाता है कि यहां हनुमानजी जीवित रूप में विराजमान हैं। बीहड़ में स्थापित हनुमान मंदिर की मूर्ति अपने आप में कई चमत्कार समेटे हुए है। हनुमान भक्तों का दावा है कि हनुमान जी इस मंदिर में जीवित अवस्था में है तभी एकांत में सुनने पर प्रतिमा से सांसे चलने की आवाज सुनाई देती है। साथ ही बताया जाता है कि हनुमान जी के मुख से राम नाम की ध्वनि भी सुनाई देती है।

हिमाचल के चुनावी समर में उतरीं प्रियंका, कहा

भाजपा राज में हो रहा भ्रष्टाचार

» हर भर्ती में किया जा रहा घोटाला, केवल उद्योगपति मित्रों की मदद कर रही भाजपा

» बेरोजगारी, महंगाई से देश और प्रदेश की जनता है परेशान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मंडी। हिमाचल प्रदेश के विधान सभा चुनाव के समर में अब कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा भी उतर गयी हैं। सोमवार को मंडी में आयोजित एक चुनावी जनसभा में उन्होंने केंद्र और प्रदेश की भाजपा सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि सीएम जयराम ठाकुर ने मंडी के लिए क्या किया है? आज 63,000 सरकारी पद खाली पड़े हैं लेकिन आपको रोजगार नहीं मिल रहा है क्योंकि उनका (भाजपा) आपको रोजगार देने का इरादा नहीं है। हर भर्ती में घोटाला है। अब आप सबको जागरूक होने की जरूरत है।

उन्होंने कहा कि शिक्षकों की भर्ती हो या पुलिस की, हर भर्ती में घोटाला है। इस सरकार ने प्रदेश के नौजवानों के लिए क्या किया है? मौजूदा वक्त में जीएसटी और कमरतोड़ महंगाई ने लोगों का जीवन मुश्किल बना दिया है। हमारे युवा देश के लिए शहीद होने को तैयार हैं। वे कह रहे हैं कि हम देश की रक्षा के लिए सरहद पर खड़े होंगे लेकिन सरकार उनके लिए अग्निवीर लेकर आ रही है। सरकार कह रही है कि आपको न कोई पेंशन मिलेगी, न रैंक मिलेगी। चार साल बाद आप घर लौट जाइए। उन्होंने कहा कि गुजरात से हिमाचल प्रदेश तक जनता भाजपा की नाकाम नीतियों से परेशान है। भाजपा की अगुवाई वाली सरकारों की नीतियां केवल उनके उद्योगपति मित्रों के लिए हैं। किसानों को उनकी फसलों की कीमतें तय करने का अधिकार नहीं है। यह उद्योगपतियों द्वारा तय किये जा रहे हैं। ऐसी परिस्थितियों में जनता को जागरूक होना पड़ेगा। यह राजनीति पिछले पांच वर्षों से जारी है। क्या आप इनको पांच साल और देंगे। क्या भाजपा ने आपसे किए गए वादों को पूरा किया है। वहीं छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने आपसे कई वादे किए थे लेकिन एक भी वादा पूरा नहीं किया। यह समय है कि आप जयराम को जय राम करें और राज्य में कांग्रेस की सरकार लाएं।

मोरबी हादसा

जांच से काम नहीं चलेगा, दोषियों को मिले सजा : गहलोत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत गुजरात दौरे पर हैं। सोमवार को उन्होंने मोरबी में हुए हादसे पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि मोरबी की घटना लापरवाही का नमूना है। सिर्फ जांच से काम नहीं चलेगा, दोषियों को सजा मिलनी चाहिए। अभी जो मुआवजा दिया जा रहा है वह नाकाफी है।

अशोक गहलोत ने हादसे में जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों से मुलाकात की और उन्हें सांत्वना दी। साथ ही प्रार्थना सभा में भाग लेकर ईश्वर से सभी दिवंगतजनों की आत्मा की शांति के लिए भी प्रार्थना की। मुख्यमंत्री ने पुल हादसे में घायल हुए लोगों से मोरबी के सिविल अस्पताल में मुलाकात की एवं उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली। उन्होंने कहा, इतने बड़े हादसे की त्वरित जांच होनी चाहिए और दोषियों के विरूद्ध कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए। लापरवाही के जिम्मेदारों को कड़ी सजा भी मिलनी चाहिए।

सिसोदिया का उपराज्यपाल पर हमला, कहा,

अफसरों को डरा-धमकाकर योगशाला को बंद करने का दिया आदेश

» लोगों को मिल रहा था योग-ध्यान से लाभ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली की योगशाला कार्यक्रम को आगे संचालित करने की अनुमति नहीं मिलने पर उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने उपराज्यपाल पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि यूनिवर्सिटी का बोर्ड चाहता है कि दिल्ली के आम लोगों के लिए योगशाला चले। सरकार ने बजट भी दे रखा है लेकिन फिर भी अफसरों को डरा-धमका कर योगशाला बंद करने का आदेश जारी करा दिया गया है।

दिल्ली की योगशाला प्रोग्राम को जारी रखने को लेकर गत 28 अक्टूबर को उपमुख्यमंत्री सिसोदिया ने एलजी से मुलाकात की थी और योग कक्षाओं को न रोकने का निवेदन किया था। उन्होंने निवेदन करते हुए हवाला दिया था कि योग कर रहे 17 हजार लोगों में से अधिकतर पोस्ट कोविड से प्रभावित हैं। उनको स्वस्थ रखना सरकार की जिम्मेदारी है इसलिए इसे न रोका जाए। तब एलजी वीके सक्सेना ने आश्वासन दिया था कि वे सारे पेपर को देखेंगे और कुछ भी गलत नहीं होने देंगे। दिल्ली सरकार योग को घर-घर पहुंचाना चाहती है और दिल्लीवालों को नि:शुल्क योग प्रशिक्षक उपलब्ध करा कर इसे जन-आंदोलन में बदलना चाहती है। इसका उद्देश्य लोगों के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य में सुधार करना है।

घुसपैठ की कोशिश नाकाम, पाकिस्तानी आतंकी ढेर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। उत्तरी कश्मीर के कुपवाड़ा जिले के जुमागुंड इलाके में सुरक्षाबलों ने घुसपैठ की कोशिश को नाकाम करते हुए एक पाकिस्तानी आतंकवादी को ढेर कर दिया। मारे गए आतंकवादी के पास से हथियार और अन्य गोला बारूद भी बरामद किया गया।

सेना के प्रवक्ता ने बताया कि जम्मू कश्मीर पुलिस के विशिष्ट इनपुट के आधार पर सेना और पुलिस द्वारा जिले के जुमागुंड के सामान्य क्षेत्र में एक संयुक्त अभियान शुरू किया गया था। खराब मौसम और कम दृश्यता का लाभ उठाते हुए एक आतंकी को घुसपैठ करने की कोशिश करते देखा गया। सतर्क जवानों ने आतंकी को कड़ी निगरानी में रखा। जब आतंकवादी घात लगाकर बैठे दल के करीब पहुंचा तो उसे चुनौती दी गई। गोलीबारी में आतंकवादी को मार गिराया गया। एक एके सीरीज राइफल और अन्य हथियार, गोला बारूद बरामद किया गया।

चिराग को लेकर भाजपा पर बरसे नीतीश, कहा

विधान सभा चुनाव में जदयू के खिलाफ भाजपा ने खड़े कराए थे प्रत्याशी

» मोकापा और गोपालगंज उपचुनाव में विपक्ष की हालत पतली

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के अध्यक्ष चिराग पासवान द्वारा मोकामा व गोपालगंज उप चुनाव में भाजपा प्रत्याशी के लिए चुनाव प्रचार में जाने के फैसले पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि वह तो पहले से ही वहां थे? इसलिए चिराग पासवान का भाजपा प्रत्याशी के पक्ष में चुनाव प्रचार के लिए जाना ठीक ही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले विधान सभा चुनाव में हम लोगों के खिलाफ लोजपा ने जो प्रत्याशी खड़े किए थे उसे कौन खड़ा कराया था? भाजपा ने ही उन्हें खड़ा करवाया। हमारे दल के लोगों ने जब इस पर काम किया तो यह बात सामने आई। इसके बाद हमलोग पुन: महागठबंधन में आ गए। चिराग पर तंज कसते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि वह तो बच्चा है न। उनके पिता रामविलास पासवान को हमने कितना सम्मान दिया था। पूर्व के दिनों में उनका समर्थन भी किया था। मोकामा व गोपालगंज विधान सभा के उप चुनाव के संदर्भ में मुख्यमंत्री से यह सवाल किया गया कि भाजपा दोनों सीटों पर जीत के दावे कर रही? इस सवाल पर मुख्यमंत्री ने कहा कि जनता मालिक है। दोनों जगहों पर राजद प्रत्याशी की जीत हो रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा की हालत पतली है।

जेपी नड्डा ने लिया फीडबैक, बागियों को दिखाया बाहर का रास्ता

» चार पूर्व विधायकों समेत पांच को पार्टी से किया गया निष्कासित

» हिमाचल में भाजपा को जीत दिलाना बना प्रतिष्ठा का प्रश्न

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिमला। हिमाचल को जीतना भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा के लिए भी प्रतिष्ठा का सवाल बन गया है। उन्होंने कुल्लू में पार्टी पदाधिकारियों से फीडबैक लिया। वहीं टिकट न मिलने के बाद बतौर निर्दलीय उम्मीदवार चुनाव मैदान में उतरे बागियों पर भाजपा ने कार्रवाई करना शुरू कर दिया है। सोमवार को 21 में से पांच बागियों को पार्टी से छह साल के लिए निष्कासित किया गया है। इनमें भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं पूर्व राज्यसभा सांसद कृपाल परमार, पूर्व विधायक तेजवंत नेगी, किशोरी लाल, मनोहर धीमान और केएल ठाकुर शामिल हैं।

नड्डा ने जिला भाजपा संगठन के साथ आनी, बंजार, कुल्लू और मनाली के मंडल अध्यक्षों व महामंत्रियों के साथ बैठक की। उन्होंने जिले के सभी नेताओं को जीत का मंत्र भी दिया। बताया जा रहा है कि नड्डा ने भाजपा से बागी होकर चुनाव लड़ रहे नेताओं से होने वाले नफा-नुकसान पर भी मंडल अध्यक्षों से फीडबैक लिया। संगठन के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से चुनाव प्रचार में और तेजी लाने का आह्वान किया। वहीं भाजपा प्रदेशाध्यक्ष एवं सांसद सुरेश कश्यप ने बागियों के निष्कासन पत्र जारी कर दिए हैं। पार्टी सूत्रों के अनुसार भाजपा हाईकमान ने पहले इन बागी पूर्व विधायकों और भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष कृपाल परमार को मनाने का प्रयास किया था लेकिन वे नहीं माने।

पीपीएस अफसरों को प्रमोशन न मिलने से दिवाली रही फीकी, टल रही है डीपीसी

- गृह विभाग के कुछ अफसरों की कारस्तानी पड़ रही है भारी
- अंदरखाने सेटिंग के खेल से वाकिफ नहीं हैं कई अफसर
- अब मुख्य सचिव पर टिकी है पीपीएस अफसरों की निगाहें

चेतन गुप्ता

लखनऊ। आईएएस और आईपीएस की तुलना में दोयम दर्जे के व्यवहार से सूबे के पीपीएस अफसर खासे निराश है। चाहकर भी सबके सामने उनकी जुबां नहीं खुल पा रही है। कार्रवाई का डर उन्हें सताता रहता है लेकिन उन्हें अपने प्रमोशन की चिंता भी है। यही कारण है कि कई पीपीएस अफसरों ने नाम ना छापने की शर्त पर अपना दुख दर्द 4पीएम से साझा कर न्याय की गुहार लगाई है।

प्रांतीय पुलिस सेवा (पीपीएस) से जुड़े अफसर मौजूदा समय में प्रमोशन न मिलने से निराश है। सभी की निगाहें यूपी के चीफ सेक्रेटरी पर टिकी है। लगातार टल रही डीपीसी को लेकर पीपीएस अफसर खासे दुखी है। मुख्यमंत्री के संज्ञान में लाने के बावजूद भी गृह विभाग के कुछ अफसरों के सेटिंग-गेटिंग के खेल के चलते डीपीसी की बैठक नहीं हो पा रही है। वरिष्ठ अफसर भी सब कुछ जानते हुए भी प्रकरण को संज्ञान में नहीं ले रहे हैं। इन सभी को दीपावली के मौके पर पदोन्नति का तोहफा मिलने की उम्मीद थी। अक्टूबर माह में ही यूपी पुलिस को तीस नए आईपीएस अधिकारी भी मिलना तय था। कई पुलिस उपाधीक्षक अपर पुलिस अधीक्षक के पद प्रमोशन की प्रतीक्षा भी कर रहे हैं।

4PM एक्सक्लूसिव

प्रांतीय पुलिस सेवा (पीपीएस) संवर्ग के अधिकारियों को पदोन्नति की प्रतीक्षा है। इस माह के अंत तक विभागीय प्रोन्नति समिति (डीपीसी) की बैठक होने की उम्मीद थी। वहीं पीपीएस से आईपीएस संवर्ग में पदोन्नति के लिए डीपीसी होने के बाद अभी कोई आदेश जारी नहीं हुआ है। इसके चलते माना जा रहा है कि अब पुलिस उपाधीक्षक के पद से अपर पुलिस अधीक्षक के पद पर पदोन्नति की प्रतीक्षा कर रहे अधिकारियों को यह उपहार दीपावली बीत जाने पर अब आने वाले समय में मिल सकेगा। सात अक्टूबर को हुई डीपीसी में पीपीएस संवर्ग के 1992 व 1992 बैच के 30 अधिकारियों को पदोन्नति प्रदान किए जाने की सहमति दी गई थी, जिनकी पदोन्नति का आदेश जारी होना है। डीपीसी में अपर पुलिस अधीक्षक अमित मिश्रा व संजय कुमार यादव के लिफाफे बंद रह गए थे। वहीं पीपीएस संवर्ग की डीपीसी 11 अक्टूबर को प्रस्तावित थी, जो टल गई थी। एक वरिष्ठ अधिकारी का कहना है कि शासनादेश के तहत एक जुलाई, 2022 से 30 जुलाई, 2023 के मध्य रिक्त पदों के अनुरूप डीपीसी 30 अक्टूबर तक हो जानी चाहिए। यही वजह है कि इस माह के अंत तक डीपीसी होने की उम्मीद जताई जा रही थी लेकिन गृह विभाग के अफसरों की जानबूझकर की गई लापरवाही से डीपीसी नहीं हो सकी। पीपीएस संवर्ग में पुलिस उपाधीक्षक से अपर पुलिस अधीक्षक के पद पर पदोन्नति के लिए 38 पद रिक्त हैं। इनमें 2007 व 2008 बैच के 33 पीपीएस अधिकारियों को पुलिस उपाधीक्षक से अपर पुलिस अधीक्षक के पद पर प्रोन्नति का लाभ मिलने की उम्मीद है।

अनुसारक-1
संख्या-07/2022/681/सैंतालीस-का-1-2022-13(1)/2022

प्रेषक,
डा0 देवेश चतुर्वेदी,
अपर मुख्य सचिव,
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में,
समस्त अपर मुख्य सचिव/प्रमुख सचिव/सचिव,
उत्तर प्रदेश शासन।

फैक्स अनुभाग-1 लखनऊ : दिनांक 13 जुलाई, 2022

विषय:- पदोन्नति द्वारा भरे जाने वाले पदों के सापेक्ष पदोन्नति हेतु चयन की कार्यवाही दिनांक 30 सितम्बर, 2022 तक संपन्न कराया जाना।

महोदय,
कृपया उपर्युक्त विषयक कार्मिक अनुभाग-1 के पत्र संख्या-3/2022/235/का-1-2022-13(1)/2022, दिनांक 20 अप्रैल, 2022 का संदर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें।

2- उक्त संदर्भित पत्र के माध्यम से निम्नांकित दिशा निर्देश प्रसारित किये गये थे:-

2.1 चयन वर्ष 2022-23 (01 जुलाई से 30 जून तक) की पदोन्नति से भरी जाने वाली समस्त रिक्तियों की गणना कर ली जाए।

सेवा में,
माननीय मुख्यमंत्री महोदय,
उत्तर प्रदेश।

विषय: उ0प्र0 प्रान्तीय पुलिस सेवा (PPS) की पदोन्नति सम्बन्धित व कैडर रिव्यू के सम्बन्ध में प्रतिवेदन।

महोदय,
आपकी इच्छा के अनुरुप निर्गत शासनादेश के अनुसार सभी विभागों में विभागीय पदोन्नति का कार्य 30 सितम्बर 2022 तक पूरा करना था किन्तु उत्तर प्रदेश प्रान्तीय पुलिस सेवा के अधिकारियों की विभागीय पदोन्नति का प्रस्ताव शासन में 12 सितम्बर 2022 से लम्बित है, जिसका मुख्य कारण 12 वर्ष की सेवा अवधि का शिथिलीकरण है जबकि इसी वर्ष सम्पन्न हुई DPC में इस शिथिलीकरण का लाभ दर्जनों अधिकारी प्राप्त कर चुके है। यदि31 अक्टूबर तक यह कार्य पूरा नही हो जा ता तो नये ACR के आधार पर ही पदोन्नति हो सकेगी जो वर्ष 2023 में ही सम्भव हो पायेगी।

जल्द पुलिस उपाधीक्षक बनेंगे 100 निरीक्षक

इसके अलावा लगभग 119 अपर पुलिस अधीक्षकों को प्रोन्नत वेतनमान का लाभ मिलेगा। साथ ही जल्द निरीक्षक से पुलिस उपाधीक्षक के पद पर पदोन्नति प्रदान किए जाने की भी तैयारी है। लगभग 100 निरीक्षकों को जल्द पुलिस उपाधीक्षक बनने का अवसर मिलेगा।

अनुभाग अधिकारी ने अफसरों को दिखाए सब्जबाग

पीपीएस अफसरों का आरोप है कि गृह विभाग में तैनात एक अनुभाग अधिकारी पूर्व में नगर विकास विभाग में रह चुका है। जिसने गृह विभाग में अपने वरिष्ठ अफसरों को डीपीसी के नाम पर 20-20 लाख रुपए मिलने का सब्जबाग दिखाया। इसी संभावना को लेकर डीपीसी टाली जा रही है। इस पूरे प्रकरण की पत्रावलियां प्रमुख सचिव गृह यदि संज्ञान में लें ले तो दूध का दूध पानी का पानी हो जाएगा।

दोयम दर्जे के व्यवहार से दुखी हैं पीपीएस अफसर

आईएएस और आईपीएस का 31 दिसंबर को हर हाल में डीपीसी हो जाती है। आगामी दिसंबर तक खाली पदों में पदोन्नति भी प्रदान की जाती है। जैस-जैसे लोग रिटायर होते जाते जाते हैं वैसे-वैसे वह प्रोन्नति पाते रहते हैं। यही नियम राज्य सेवाओं में भी है। इसमें दिसंबर की जगह जुलाई से जून की रिक्तियों को लिया जाता है और डीपीसी हो जाती है। 31 अक्टूबर निकल जाने के बाद यह अपने आप वर्ष 2021 और 22 के एसीआर पूर्ण करने के बाद ही हो सकेगा। पीपीएस अफसरों का आरोप है कि कई राज्यों में उनके समकक्ष उनके बैच के अधिकारी आज कई पदोन्नति पाकर उनसे वरिष्ठ हो चुके हैं लेकिन वह आज भी वहीं के वहीं है।

मुख्यमंत्री की भी आंखों में झोंक दिया अफसरों ने धूल

पीपीएस अफसरों की डीपीसी के लिए डीजीपी डीएस चौहान ने डेढ़ महीने पहले शासन यानी प्रमुख सचिव गृह को प्रस्ताव प्रेषित किया था। प्रस्ताव का मिलान शासन द्वारा करने के बाद कार्मिक विभाग की सहमति से गृह विभाग में डीपीसी के लिए मुख्य सचिव से समय की मांग की गई। मुख्य सचिव ने 11 अक्टूबर को 4 बजे डीपीसी के लिए समय दिया लेकिन सूबे के पूर्व मुख्यमंत्री सपा संरक्षक मुलायम सिंह यादव के निधन के चलते यह बैठक टल गई। पुन: इस बैठक के लिए गृह विभाग ने चीफ सेक्रेटरी से समय नहीं मांगा। गृह विभाग के विशेष सचिव से लेकर नीचे तक के अधिकारी खासकर सेक्शन ऑफिसर डीपीसी नहीं चाह रहे हैं थे। गंभीर आरोप है कि उन्होंने टलवाने के लिए पत्रावलियां भी चलाई लेकिन डीपीसी की तिथि 11 अक्टूबर ही रही। कुछ पीपीएस अफसरों को प्रोन्नत कराने का ठेका गृह विभाग विभाग के कुछ अफसरों ने ले रखा है। यह पीपीएस अफसर अगले एक-दो महीनों में प्रमोट होने के लिए न्यूनतम अर्हता पूर्ण कर लेंगे। इसलिए सेक्शन नहीं चाहता है कि डीपीसी नियत समय पर हो। आज जब 1 नवंबर है इसलिए आज से विगत वर्ष का वार्षिक गोपनीय रिपोर्ट (एसीआर) होना जरूरी है इसके लिए पूरे प्रयास करने के बाद भी कम से कम 2 महीने का समय लगेगा। मुख्य सचिव के निर्देशानुसार सभी विभागों की डीपीसी 30 सितंबर तक तय थी लेकिन पीपीएस की डीपीसी अभी तक नहीं हो पाई। पिछले दिनों गोरखपुर मठ में सीएम से 11 पीपीएस अफसरों के प्रतिनिधि मंडल ने मुलाकात कर अपना प्रत्यावेदन दिया था। जिसको लेकर मुख्यमंत्री ने स्पष्ट दिशा निर्देश भी दिए थे लेकिन अफसरों की हीलाहवाली के चलते प्रोन्नति की प्रक्रिया अभी तक अटकी है।

निरीक्षण लोक निर्माण मंत्री जितिन प्रसाद ने आज लोक निर्माण विभाग मुख्यालय का औचक निरीक्षण किया। साफ-सफाई के दिशा निर्देश दिए।

गुजरात के मोरबी हादसे से सबक

यूपी के सभी पुलों के मजबूती की होगी जांच

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुख्यमंत्री योगी के निर्देश पर रिपोर्ट तलब

लखनऊ। गुजरात के मोरबी जिले में केबल ब्रिज टूटने की दुर्घटना से सबक लेते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश में सभी प्रकार के पुलों का निरीक्षण कर उनकी स्ट्रक्चरल सेफ्टी का आकलन करने का निर्देश दिया है। सीएम योगी के निर्देश के बाद प्रदेश के सभी सस्पेंशन ब्रिज, समस्त निर्माणाधीन सेतु, अन्य सभी सेतु और समस्त रोपवे का निरीक्षण कर उनकी स्ट्रक्चरल सेफ्टी का आकलन करने का आदेश दिया गया है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश के क्रम में लोक निर्माण विभाग के प्रमुख अभियंता कार्यालय (सेतु विंग) की ओर से विभाग के सभी जोनल मुख्य अभियंताओं और उत्तर प्रदेश राज्य सेतु निगम के प्रबंध निदेशक को इस बारे में पत्र जारी किया गया है। इसमें कहा गया है कि गुजरात जैसे हादसे की पुनरावृत्ति न हो, इसके लिए प्रदेश में सभी प्रकार के सेतुओं की स्ट्रक्चरल सेफ्टी सुनिश्चित करने के लिए उनका तत्काल निरीक्षण किया जाए।

फोटो: 4पीएम

जागरूकता लखनऊ में आज से शुरू यातायात माह पर विशेष अभियान चलाकर हजरतगंज चौराहे पर लोगों को यातायात के नियम को लेकर जागरूक किया गया। गाड़ी चलते समय हेलमेट के प्रयोग को जरूरी बताया गया। इस मौके पर लखनऊ ट्रैफिक पुलिस के डीसीपी रईस अख्तर ने बताया कि यातायात माह के दौरान जीवन रक्षा हेलमेट, शीट बेल्ट, प्रदूषण प्रमाणपत्र से जुड़े नियम तोड़ने वालों पर सख्ती से निपटा जाएगा।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।